बैगा बैगा आओ गजानंद थारी खूब करा रे मनुहार

बैगा बैगा आओ गजानंद,
ओ थारी खूब करा रे मनुहार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

पार्वती के पुत्र गजानंद,
थे तो शिव के राज दुलार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

घी सिंदूर रो चोलो चढ़ावा,
ओ थारे चांदी रो करा श्रृंगार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

लड्डुवन को थारे भोग लगावा,
ओ थाके फूला रो पहनावा हार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

रणतभवर का प्यारा गजानंद,
ओ थाकु पूजे जग संसार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

रिद्धि सिद्धि संग में लावो,
शिव पार्वती संग आओ,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

'अ क जांगिड़' दास पुराणों,
थे तो भक्ता की करो पूरी आश,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बैगा बैगा आओ गजानंद,
ओ थारी खूब करा रे मनुहार,
पधारों म्हारा गजानंद।bd।

– गायक / लेखक / प्रेषक –
अशोक कुमार जांगिड़।
9828123517
सवाई माधोपुर राजस्थान।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com